Title: Need to celebrate the birth-centenary of Sarvashri Bhupendra Narayan Mandal and to issue commemorative stamps of Shri Bhupendra Mandal, Shri Fanishwar Nath Renu and Dr. Sudhanshu Narayan Singh.

श्री राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव : ये वाक आउट किसलिए कर रहे हैं, यह गलत परम्परा है, यह गलत तरीका है, क्या हर दिन ऐसा चलेगा।

सभापति महोदय, पूरा देश ऐसे व्यक्तियों के प्रति हमेशा चिन्तित रहता है, जिनका योगदान देश की आजादी में बहुत भारी रहा है। देश के 100 करोड़ लोगों में जिनका योगदान अंग्रेजों के काल में ज्यादा रहा है, उसके बारे में सदन हमेशा चिन्तित रहा है। आप जानते हैं कि मेरे यहां भूपेन्द्र नारायण मंडल जी, जो सोशलिस्ट पार्टी के अध्यक्ष हुआ करते थे और अंग्रेजों से उन्होंने लड़ने का काम किया, वे स्वतंत्रता सेनानी

थे। वे डॉ. लोहिया के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने का काम सदा करते रहे, लेकिन भूपेन्द्र नारायण मंडल जी के बारे में देश, सदन और बिहार कोई चिन्तित नहीं हुआ। आज तक बहुत सारे लोगों के नाम पर डाक टिकट जारी हुए। मैंने सरकार से कई बार पत्राचार किया कि भूपेन्द्र नारायण मंडल जी जैसे लोगों के नाम पर भी डाक टिकट जारी हो और उनकी जन्म शताब्दी मनाई जाये, लेकिन आज तक निर्देश नहीं दिया गया है । दूसरे, आप जानते हैं कि मेरे घर के सबसे बड़े साहित्यकार जो फणीश्वर नाथ रेणु जी थे, यह आपसे छिपी नहीं है, आप तो बहुत बड़े विद्वान हैं, प्रोफेसर हैं, लेकिन रेणु जी जैसे व्यक्ति और डॉ. सुधांशु नारायण सिंह जैसे हिन्दी के साहित्यकार के बारे में मैंने सरकार को कई बार कहा, मैंने पर्सनली भी मंत्री जी से मिलकर कहा, जब रामविलास जी मंत्री थे, उस वक्त भी मैंने कहा कि इन तीनों व्यक्तियों के बारे में डाक टिकट जारी किया जाये। खास तौर पर रेणु जी जैसे व्यक्ति पर, और भूपेन्द्र नारायण मंडल जी जैसे व्यक्ति पर जन्म शताब्दी भी मनाई जाये।(व्यवधान)

श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद) : सभापति महोदय, हमारा नोटिस सबसे पहला था।

श्री राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव : भूपेन्द्र नारायण मंडल जी की जन्म शताब्दी के बारे में आप बिहार सरकार को निर्देश दें कि उनकी जन्म शताब्दी मनाई जाये।

सभापति महोदय : ठीक है, अब कृपा कर आसन ग्रहण करें।

श्री राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव : आप गवर्नमेंट को निर्देश दें कि इन नेताओं पर डाक टिकट जारी किया जाये। इन तीनों नेताओं, श्री भूपेन्द्र नारायण मंडल, श्री फणीश्वर नाथ रेणु और डॉ. सुधांशु नारायण सिंह पर डाक टिकट जारी किया जाये, यही मेरा आग्रह है।

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : गरीब का प्रश्न है। हमको इनके बाद बोलना है। आप चेयर से अनुमति लेकर बोलिये। (व्यवधान)

श्री राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव : सभापति महोदय, बिहार का बहुत महत्वपूर्ण मामला है। (व्यवधान)

श्री बसुदेव आचार्य (बांकुरा) : सभापति महोदय, मेरा भी नोटिस है। (व्यवधान)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : आचार्य साहब, आप दूसरे को भी बोलने दीजिए। (व्यवधान) हर समय आप खड़े हो जाते हैं। (व्यवधान)

सभापति महोदय : आप आसन ग्रहण कीजिए।

...(व्यवधान)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : सभापति महोदय, मैं लोक महत्व का प्रश्न उठाना चाहता हूं। (व्यवधान)

श्री सत्यव्रत चतुर्वेदी (खजुराहो) : सभापति महोदय, सुबह मैंने प्रश्न काल स्थगित करने का नोटिस दिया था। उस समय मुझे चेयर से आश्वासन दिया गया था कि जीरो ऑवर में सबसे पहले आपका मसला लिया जायेगा। (व्यवधान)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : चतुर्वेदी जी, आप हमारे बाद बोलिये। हमने बोलना शुरू कर दिया है। (व्यवधान)

श्री सत्यव्रत चतुर्वेदी : सभापति महोदय, उसके बाद मेरे नाम का उल्लेख ही नहीं किया गया। (व्यवधान) जब सारी चीजें खत्म हो जायेंगी तब क्या इतने महत्वपूर्ण विाय पर आप चर्चा करेंगे। (व्यवधान)

सभापति महोदय : आपका नाम सूची में होगा तो मैं आपको बोलने की इजाजत दूंगा।

...(व्यवधान)

श्री सत्यव्रत चतुर्वेदी : यहां कोई न्याय नहीं है। (व्यवधान) मुझे अब अपना प्रश्न नहीं उठाना है।

13.16 hrs.

(At this stage, Shri Satyavrat Chaturvedi left the House)